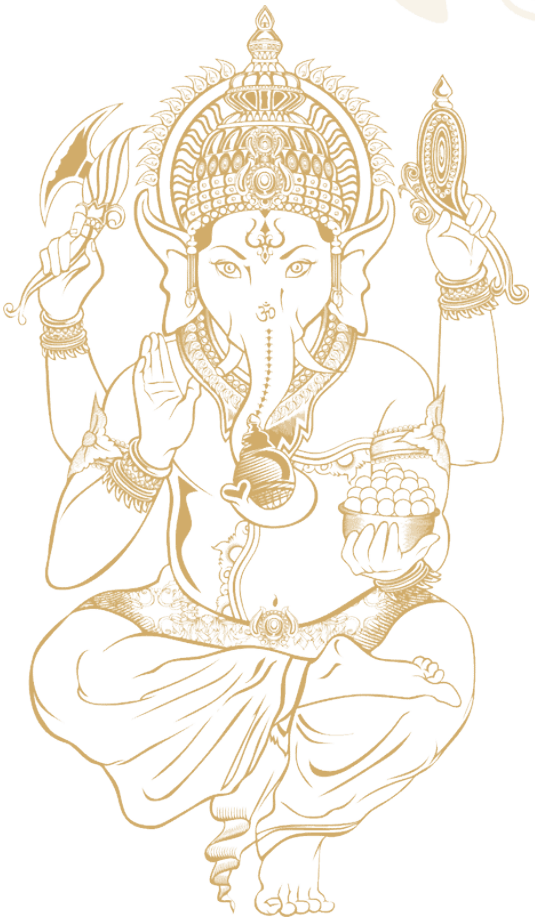

Aman

Bhagya shree

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120438302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/03/1999	जन्म तिथि	27/07/1999
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 08:30:00	जन्म समय	16:39:00 घंटे
घटी 04:48:36	जन्म समय(घटी)	26:50:32 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Indore
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:34:33	सूर्योदय	05:55:20
18:36:11	सूर्यास्त	19:10:05
23:50:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:52

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 11वर्ष 10मा 23दि		08:50:48	मेष	लग्न	धनु	03:46:10	सूर्य 5वर्ष 2मा 0दि	
शनि		02:13:42	मीन	सूर्य	कर्क	10:08:50	राहु	
07/02/2011		23:25:08	कुंभ	चंद्र	धनु	28:31:05	26/09/2021	
07/02/2030		18:20:51	तुला	मंगल	तुला	15:17:25	26/09/2039	
शनि	10/02/2014	07:13:04	मीन व	बुध व	कर्क	08:48:30	राहु	08/06/2024
बुध	20/10/2016	13:34:40	मीन	गुरु	मेष	09:49:16	गुरु	01/11/2026
केतु	29/11/2017	04:35:38	मेष	शुक्र	सिंह	11:09:10	शनि	07/09/2029
शुक्र	29/01/2021	07:50:31	मेष	शनि	मेष	22:21:25	बुध	27/03/2032
सूर्य	11/01/2022	27:59:31	कर्क व	राहु व	कर्क	19:05:13	केतु	14/04/2033
चन्द्र	12/08/2023	27:59:31	मक व	केतु व	मक	19:05:13	शुक्र	14/04/2036
मंगल	20/09/2024	21:16:12	मक	हर्ष व	मक	21:24:56	सूर्य	09/03/2037
राहु	28/07/2027	09:50:09	मक	नेप व	मक	09:05:56	चन्द्र	08/09/2038
गुरु	07/02/2030	16:39:03	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:01:36	मंगल	26/09/2039

लग्न-चलित

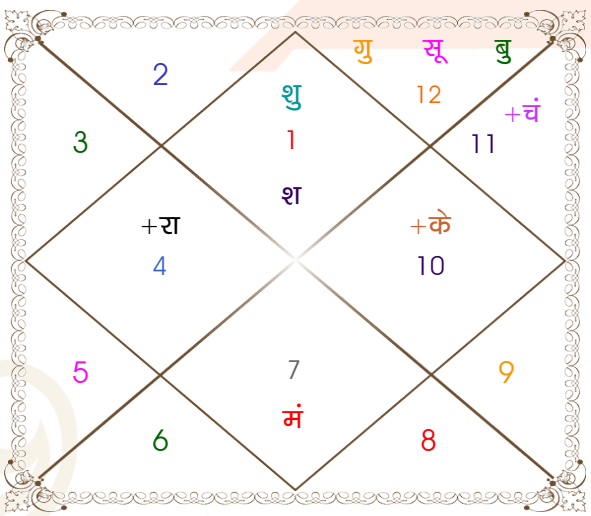

लग्न-चलित

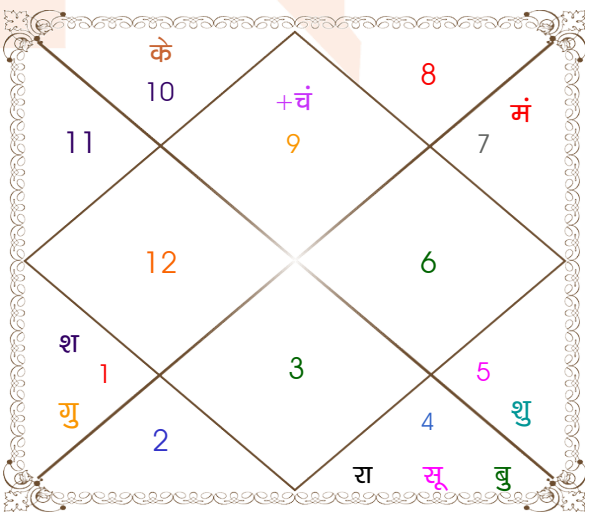

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

।उंद का वर्ग मेष है तथा ठींहर्लोतमम का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।उंद और ठींहर्लोतमम का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।उंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

ठींहर्लोतमम मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ठींहर्लोतमम कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।उंद तथा ठींहर्लोतमम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com